एम्स ऋषिकेश में माननीय राज्यपाल महोदय का सम्बोधन

(दिनांक 01 सितम्बर, 2024)

जय हिन्द!

मंचासीन आदरणीय उपराष्ट्रपति जी, डॉ. (श्रीमती) सुदेश धनखड़ जी, एम्स ऋषिकेश की कार्यकारी निदेशक प्रोफेसर मीनू सिंह, संकाय और कर्मचारी, डॉक्टर्स और स्टूडेंट्स!

मुझे माननीय उपराष्ट्रपति जी की गरिमामयी उपस्थिति में आप सभी के बीच आकर अत्यंत खुशी हो रही है।

आज इस सुअवसर पर माननीय उपराष्ट्रपति जी का सानिध्य पाना मेरे लिए अत्यंत सम्मान और गर्व की बात है।

साथियों,

हमारे पूर्व प्रधान मंत्री 'भारत रत्न' स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की दूरदर्शी सोच के परिणाम स्वरूप एम्स ऋषिकेश की स्थापना ने हमारे राज्य में हेल्थ केयर के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उत्तराखण्ड की विकट भौगोलिक परस्थितियां यहां के जन–जन तक चिकित्सा सुविधाओं की पहुंच के लिए अनेक चुनौतियां खड़ी करती है। निश्चित रूप से एम्स ऋषिकेश की स्थापना से दुर्गम इलाकों के लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने में सहयोग मिला है।

हमें खुशी है कि एम्स ऋषिकेश आयुष्मान भारत–प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना जैसी सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं को लागू करने के लिए एक मंच उपलब्ध करवा रहा है एवं सर्वोत्तम सेवाएं प्रदान करने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों के साथ मिलकर काम कर रहा है। इससे गरीब और असहाय रोगियों को अपना जीवन बचाने में सहायता प्राप्त हो रही है जो मानवता की सेवा लिए सराहनीय कार्य है।

प्यारे छात्रों,

आप इस महान संस्थान के भविष्य हैं, जो एक दिन देश के अग्रणी डॉक्टर और चिकित्सा विशेषज्ञ बनेंगे। आप पर बड़ी जिम्मेदारी है कि आप केवल चिकित्सा के क्षेत्र में निपुणता प्राप्त करने तक ही सीमित न रहें, बल्कि अपने अंदर मानवता के प्रति सेवा भाव भी विकसित करें।

एक डॉक्टर का कार्य केवल दवाइयों और उपचार तक ही सीमित नहीं होता, एक सच्चा चिकित्सक वही होता है जो अपने मरीजों के साथ सहानुभूति और संवेदनशीलता के साथ पेश आए। मुझे विश्वास है कि आपको दी जा रही शिक्षा और प्रशिक्षण न केवल आपको एक कुशल चिकित्सक बनाएगा, बल्कि एक ऐसा व्यक्ति भी बनाएगा जो समाज के प्रति समर्पित हो।

प्रिय डॉक्टर्स और स्टूडेंट्स,

एम्स ऋषिकेश ने चिकित्सा अनुसंधान के क्षेत्र में जो ऊंचाईयां हासिल की हैं, वह आपके अथक प्रयासों का ही परिणाम है। हमारे देश को ऐसे शोधकर्ताओं और डॉक्टरों की आवश्यकता है जो चिकित्सा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करें और नवाचारों को प्रोत्साहन दें।

आज तेजी से बदल रही दुनिया में नई–नई बीमारियां उभर कर सामने आ रही हैं, ऐसे में आपके शोध और अन्वेषण समाज को एक नई दिशा दे सकते हैं। महामारी जैसे कठिन समय ने हमें यह सिखाया है कि चिकित्सा अनुसंधान और विकास का क्या महत्व है। मैं आप सभी से आग्रह करता हूँ कि आप अपने कार्य में नवाचार और उत्कृष्टता के मानदंडों को सर्वोपरि रखें और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनें।

चिकित्सा के क्षेत्र में नवाचार और अनुसंधान का अत्यधिक महत्व है। आज विज्ञान और चिकित्सा की प्रगति ने हमें ऐसी अनेक बीमारियों से निपटने में सक्षम बनाया है, जिन्हें कभी लाइलाज माना जाता था। मैं इस संस्थान के शोधकर्ताओं से अनुरोध करूंगा कि वे जोश और उत्साह के साथ अपने शोध कार्यों को आगे बढ़ाते रहें। हमारे देश में चिकित्सा के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं, और मैं आशा करता हूँ कि आपके अनुसंधान समाज को एक नई दिशा प्रदान करेंगे।

चिकित्सा का क्षेत्र केवल एक पेशा नहीं है, यह समाज सेवा का सबसे बड़ा माध्यम है। एक डॉक्टर की भूमिका केवल एक चिकित्सक की नहीं होती, वह समाज का मार्गदर्शक, एक शिक्षक, और एक समाज सेवक भी होता है। मेरा आग्रह है कि आप भी इस विचारधारा को अपने हर पहलू में आत्मसात करें और स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में समाज की भलाई के लिए समर्पित रहें।

आने वाले समय में हमें स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में कई नई चुनौतियों का सामना करना होगा। महामारी जैसे संकटों ने हमें यह सिखाया है कि हमें सतर्क रहना चाहिए और हर स्थिति के लिए तैयार रहना चाहिए। एकजुटता, दृढ़ संकल्प, और सही दिशा में प्रयास ही हमें इन चुनौतियों से उबार सकते हैं।

अंत में, मैं एक बार फिर इस संस्थान के सभी सदस्यों को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए बधाई देना चाहता हूँ। मैं आशा करता हूँ कि आप सभी इसी समर्पण और उत्साह के साथ अपने कार्यों को आगे बढ़ाते रहेंगे ताकि एम्स ऋषिकेश अपनी इसी प्रतिबद्धता और सेवा भावना से स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में प्रतिष्ठा अर्जित करता रहे।

मुझे विश्वास है कि एम्स ऋषिकेश भविष्य में भी स्वास्थ्य सेवा, चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में नए मानदंड स्थापित करेगा। मेरी असीम शुभकामनाएं आपके साथ हैं।

एक बार पुनः मैं आज के इस पावन अवसर पर माननीय उपराष्ट्रपति जी की गरिमामयी उपस्थिति के लिए पूरे उत्तराखण्ड की ओर से आभार ज्ञापित करता हूँ।

जय हिन्द!